GIRLS NOT BRIDES The Global Partnership to End Child Marriage

बाल विवाह समाप्त करना:
दंड आधारित तरीक़े समाधान नहीं हैं

परिचय

हर साल दुनिया में 12 मिलियन से अधिक लड़कियों की शादी 18 वर्ष से पहले कर दी जाती है। यह एक गंभीर मुद्दा है, और पिछले 10 वर्षों में इस पर वैश्विक स्तर पर काफी प्रगति भी हुई है। सरकारें, फ़िल्मकार, शोधकर्ता, सामाजिक संगठन-सब मिलकर समाधान ढूँढने में लगे हैं।

लेकिन कई बार समाधान को बहुत सरल बनाकर देखा जाता है, जबकि वास्तविकता बहुत जटिल है। कुछ लोग हर 18 साल से कम उम्र की शादी को अपराध घोषित करने की मांग करते हैं-चाहे उसमें सहमति हो, चाहे उम्र का अंतर कम हो, या उसमें कोई हिंसा न हो।

लेकिन कई जगह यह देखा गया है कि **दंड आधारित हस्तक्षेप अनचाहे और हानिकारक परिणाम पैदा कर सकते हैं,** खासकर लड़कियों के लिए।

यह दस्तावेज़ नवीनतम प्रमाणों, स्थानीय संगठनों के अनुभवों और CEFMU एवं Sexuality Working Group के काम पर आधारित है।

इसमें बताया गया है कि **दंड आधारित तरीक़े प्रभावी नहीं हैं,** और क्यों **व्यापक, सामाजिक और सशक्तिकरण आधारित उपाय** ज़्यादा उपयोगी हैं।

परिचय

1. **कोई भरोसेमंद प्रमाण नहीं है** कि केवल न्यूनतम आयु कानून (18 वर्ष) से बाल विवाह घटता है।
2. **कोई प्रमाण नहीं** कि दंड या अपराधीकरण से लोग डरकर विवाह रोक देते हैं।
3. **स्पष्ट प्रमाण हैं कि दंड आधारित तरीक़े ज़्यादा नुकसान करते हैं।**
4. कई बार दंड **आधारित कानून उल्टा असर करके बाल विवाह बढ़ा देते हैं।**
5. कानून को युवाओं की **बढ़ती समझ और क्षमता** (evolving capacities) को पहचानना चाहिए।

न्यूनतम आयु कानून- आवश्यक लेकिन अकेले काफ़ी नहीं

18 वर्ष से कम की शादी को प्रतिबंधित करना सरकार की मानवाधिकार प्रतिबद्धता को दिखाता है। यह कानून लड़कियों को विकल्प और अवसर दिलाने में सहायक हो सकते हैं-जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आत्मनिर्णय का अधिकार।

लेकिन केवल कानून **खुद से** परिवर्तन नहीं ला सकता, जब तक कि:

• सामाजिक मान्यताएँ न बदलें • गरीबी कम न हो • लड़कियों के विकल्प न बढ़ें • परिवार और समुदाय का समर्थन न मिले

1. UNICEF (2022), बाल विवाह ग्लोबल डेटाबेस
2. गर्ल्स नॉट ब्राइड्स. (2024). बाल विवाह और लड़कियों पर कानून का असर गर्ल्स नॉट ब्राइड्स, (2024) कानून और CEMFU: असर और असर पर हाल के सबूतों का एक सिंथेसिस गर्ल्स नॉट ब्राइड्स (2025). ऑप्शन नॉट सैंक्शन्स: मेक्सिको में CEFMU को एड्रेस करने के लिए नॉन-प्यूनिटिव तरीके (2025)

क्या कानून वास्तव में बाल विवाह घटाते हैं?

नहीं।

2016, 2017 और 2021 में 60+ देशों में किए गए बहु-देशीय अध्ययनों ने दिखाया है कि नए कानूनों और बाल विवाह में कमी के बीच कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं पाया गया।

WHO (2025) के प्रमाणिक समीक्षा में भी लिखा है कि:
"न्यूनतम आयु कानूनों का प्रभाव बहुत कम प्रमाण-निश्चितता वाला है।"

क्या दंड आधारित तरीके डर पैदा करते हैं?

नहीं।

जैसे गर्भपात को अपराध घोषित करने पर वह 'भूमिगत' हो जाता है, वैसे ही बाल विवाह भी छिपकर होने लगता है।

उदाहरण:

- मलावी में विवाह रात में, या दूसरी बस्तियों में किए जाने लगे ताकि पुलिस को पता न चले।
- कुछ देशों में सगाई जैसी छिपी प्रथाएँ बढ़ गईं, ताकि कानून को चकमा दिया जा सके।

क्या दंड आधारित तरीके अधिक नुकसान करते हैं? - हाँ

WHO (2025) कहता है:
"अपराधीकरण लड़कियों, परिवारों और समुदायों पर नकारात्मक प्रभाव डालता है और प्रथा को भूमिगत कर देता है।"

प्रमुख नुकसान:

1. शिक्षा, नौकरी, आत्मसम्मान पर असर (भारत के अध्ययन)

कानूनी केस और बाल संरक्षण की जाँच लड़कियों के विकास, पढ़ाई, नौकरी और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। इससे परिवारिक रिश्ते बिगड़ते हैं और लड़कियाँ कलंक झेलती हैं।

2. 65% केस सहमति वाले किशोर विवाह के थे

भारत में PCMA के अंतर्गत 65% मामलों में लड़की और लड़के की सहमति वाला विवाह था, और केवल 4% मामले जबरन विवाह के।

⇒ कानून का उपयोग कई बार लड़कियों की इच्छा को दबाने, जाति आधारित भेदभाव को लागू करने, या परिवार द्वारा साथी को दंडित करने के लिए किया जाता है।

3. स्वास्थ्य सेवाओं से दूरी (POCSO अधिनियम का प्रभाव)

कानून के डर से डॉक्टर गर्भवती किशोरियों का इलाज करने से बचते हैं।
नतीजा-लड़कियाँ समय पर स्वास्थ्य सेवा नहीं ले पातीं।

4. किशोर प्रेम संबंधों को अपराध बनाना-जोखिम बढ़ाता है

जब कानून 18 से नीचे की हर यौन गतिविधि को अपराध मान ले, तो:

- लड़कियाँ स्वास्थ्य सेवा लेने से डरती हैं
- परिवार साथी को जेल भेज सकता है
- कई लड़कियाँ भागकर शादी कर लेती हैं, क्योंकि वे इसे अपनी आज़ादी का रास्ता समझती हैं

---

3. कॉलिन और टैलबोट (2017) क्या शादी की उम्र के कानून काम करते हैं?: विकासशील देशों के एक बड़े सैंपल से सबूत; किडमैन और हेमैन (2016), क्या शादी की उम्र की सुरक्षा वाली राष्ट्रीय नीतियां बाल विवाह की प्रथा को कम करती हैं?; बत्या और पेसांडो (2021) बाल विवाह के ट्रेंड और शादी की उम्र के कानूनों में बदलाव के कम उम्र में शादी पर चुनिंदा असर के नए सबूत; पॉपुलेशन काउंसिल और UNFPA (2022) सिंध में बाल विवाह: एक पॉलिटिकल इकोनॉमी एनालिसिस और पॉलिसी ऑप्शन
4. जल्दी प्रेग्नेंसी और खराब रिप्रोडक्टिव नतीजों को रोकने पर WHO की गाइडलाइंस (2025) पेज 26
5. मेलनिकास एट अल., (2021), शादी के लिए कम से कम उम्र के कानूनों और उनके लागू करने की सोच: मलावी से क्वालिटेटिव सबूत, BMC पब्लिक हेल्थ, 21, 2021, 1350
6. जल्दी प्रेग्नेंसी और खराब रिप्रोडक्टिव नतीजों को रोकने पर WHO की गाइडलाइंस (2025) पेज 25.
7. राहा और रामकृष्णन (2022). भारत में किशोरों की सेक्सुअलिटी पर POCSO एक्ट का असर: एक पॉलिसी ब्रीफ। एनफोल्ड, UNICEF और UNFPA.
8. PLD और अमेरिकन ज्यूइश वर्ल्ड सर्विस, (2022), बच्चों, कम उम्र और ज़बरदस्ती की शादियों और यूनियनों के लिए अलग-अलग कानूनी जवाबों का मामला: दुनिया भर के दर्शकों के लिए भारत से सबक, और Op.cit PLD (2021)
9. IPPF, कॉरम (2017) 'ओवरप्रोटेक्टेड एंड अंडरसर्व्ड: यंग पीपल्स एक्सेस टू सेक्सुअल एंड रिप्रोडक्टिव हेल्थ पर कानून का असर'
10. पांडे और श्रेष्ठ (2020) 'कम उम्र और बाल विवाह को फिर से परिभाषित करना और क्रिमिनलाइज़ेशन के ज़रिए इसे खत्म करने पर फिर से विचार करना। WOREC, नेपाल।

क्या दंड आधारित तरीक़े बाल विवाह बढ़ा सकते हैं? - हाँ

कई जगह प्रमाण मिले हैं कि:

- जब बाहर शादी/गर्भधारण कलंकित है, तब दंड आधारित कानून लड़कियों को जबरन जल्दी शादी करने को मजबूर करते हैं।
- किशोर यौन संबंध को अपराध बनाना शादी को एकमात्र स्वीकार्य रास्ता बना देता है।
- इससे भागकर शादी या छिपकर शादी के मामले बढ़ जाते हैं।

कानून को कैसे प्रभावी बनाया जाए?

हम यह मानते हैं कि:

- **18 वर्ष से कम की शादी पर रोक आवश्यक है।**
- **गंभीर मामलों**-जबरदस्ती, हिंसा, शक्ति का दुरुपयोग-में दंड होना चाहिए।
- लेकिन सभी किशोर संबंधों को अपराध बनाना उचित नहीं।

ग़ैर-दंडात्मक (Non-punitive) दृष्टिकोण का मतलब यह नहीं है कि:

1. अपराधियों को छोड़ा जाए

हिंसा, दुरुपयोग और जबरदस्ती को दंड मिलना ही चाहिए।

2. नियम हट जाएँ

स्पष्ट कानून, प्रक्रियाएँ और संस्थागत जिम्मेदारियाँ रहनी चाहिए—लेकिन ध्यान सहयोगात्मक, सहायक और समाधान आधारित कदमों पर होना चाहिए, न कि दंड पर।

सिर्फ कानून काफी नहीं – आगे और क्या ज़रूरी है?

कानूनी सुधार **सिर्फ एक हिस्सा हैं।**
वास्तविक बदलाव के लिए गहरी सामाजिक और आर्थिक निवेश की आवश्यकता है।

1. लड़कियों की माध्यमिक शिक्षा

✦माध्यमिक स्कूल पूरी करने वाली लड़कियाँ
✦ **66% कम संभावना** रखती हैं कि उनकी जल्दी शादी होगी।

2. यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य शिक्षा

जब लड़कियों को सटीक जानकारी और सुरक्षित सेवाएँ मिलती हैं, तो वे बेहतर निर्णय लेती हैं-जिससे विवाह देर से होता है।

3. गरीबी और लैंगिक भेदभाव का समाधान

ये दोनों बाल विवाह के मुख्य कारण हैं।
जब गरीबी कम होती है और लैंगिक समानता बढ़ती है—तभी टिकाऊ बदलाव आते हैं।

---

11. बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के इस्तेमाल के जमीनी अनुभव' भारत से सबक: अलग-अलग कानूनी (PLD और AJWS) के लिए एक मामला 2022
12. PLD इंडिया (2021) भारत में बाल विवाह के मुकदमे, एक्टर्स, मकसद और नतीजों का केस लॉ एनालिसिस 2008 -2017; PLD इंडिया (2019) बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के इस्तेमाल के जमीनी अनुभव; PLD और AJWS (2022) भारत से सबक: CEFMU के लिए अलग-अलग कानूनी जवाबों का मामला
13. WHO 2025 गाइडलाइंस जल्दी प्रेग्नेंसी और खराब रिप्रोडक्टिव नतीजों को रोकने के लिए
14. UNICEF, 2022b, बाल विवाह खत्म करने के लिए शिक्षा की ताकत
15. UNICEF (2025) बाल विवाह खत्म करने का रास्ता
16. GNB (2023) सबूतों की समीक्षा: बाल विवाह में दखल और रिसर्च 2020-2022

Girls Not Brides कौन है?

Girls Not Brides दुनिया के 100 देशों में फैले 1,400+ संगठनों का वैश्विक नेटवर्क है-जो बाल विवाह समाप्त करने और लड़कियों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

girlsnotbrides.org
@girlsnotbrides_
facebook.com/GirlsNotBrides
@girlsnotbrides

गर्ल्स नॉट ब्राइड्स एक गारंटी द्वारा लिमिटेड कंपनी (Reg. No. 8570751)
और इंग्लैंड और वेल्स में एक रजिस्टर्ड चैरिटी (Reg. No. 1154230) है।